इनका लगातार सेवन बढ़ते हुए बच्चे और माँ के षरीर पर विपरीत असर डाल सकते हैं। इसलिए इसका उपयोग आपके डॉक्टर भी बहुत ध्यान रखकर आपको बताएँगे।

जचकी के समय लेने से दर्द की मात्रा भी कम हो जाती है।

क्या कोई और गंभीर परिणाम भी होते है इन दवाओं के?

- कभी–कभी इसके लंबे सेवन से गुर्दे में सूजन और गुर्दा फेल भी हो सकता है।
- ब्लड प्रेषर बढ़ना एवं हार्टअटैक भी कभी–कभी हो सकता है।

मैं विपरीत असर न हो इसके लिए क्या सावधानियाँ बरतू?

- कोई भी बुखार या दर्द की स्थिति में दुकान से बिना ध्यान के हरी पन्नी वाली दवा या दर्द का इंजेक्षन न लगवाएँ।
- इन दवाओं को खाली पेट कभी न लें।
- कभी भी षराब के सेवन के बाद उन दवाओं को न लें।

——:00:——

सहयोग राशि
व्यक्तिगत – 1 रू.
संस्थागत – 2 रू.

दर्द, सूजन एवं बुखार की दवाओं का उपयोग

जन स्वास्थ्य सहयोग
ग्राम व पोस्ट : गनियारी
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

2010

दर्द, सूजन एवं बुखार की दवाओं का उपयोग

कौन सी होती हैं यह दवाएँ –

आईबूप्रोफेन (Ibuprofen)
डाईक्लोफेनैक (Diclofenec) गोली व जैल
इंडोमिथेसिन (Indomethacin)

आपके डॉक्टर ने यह दवा आपकी बीामारी के उपचार के लिए दी है। आपके डॉक्टर ने आपको जोड़ों की बीमारी, या Rheumatic Fever, या ऑपरेषन के बाद सूजन या बुखार के संग सूजन के लिए इन दवाओं को आपको दिया होगा। यह दवाएँ आपकी बीमारी में दर्द, बुखार व सूजन कम करने में असर करेंगी, हाँ यह हो सकता हे कि असर आने में 1.–15 दिन लग जाएँ।

इन दवाओं को कैसे खाना चाहिए?

यह दवाएँ 2–4 बार खानी चाहिए, जैसे आईबूप्रोफेन या इंडोमेथेसिन तीन बार रोज और डाईक्लोफेनेक दिन में दो बार। हाँ लेकिन सभी दवाएँ कुछ खाने के बाद ही लें, अन्यथा पेट में जलन एवं अपचन हो सकता है। दवा की खुराक जैसे बताई जाए वैसे ही खाना चाहिए। यदि उपवास कर रहें हों, तो उस दिन खाली पेट की अवस्था में इन दवाओं को नहीं खाना चाहिए।

इन दवाओं से लाभ कितना मिलता है?

यह दवाएँ हमारे षरीर की मदद करती है– सूजन या दर्द या बुखार की अवस्था को कम करने में, अपने में यह मूल उपचार नहीं है। इनका कुछ असर तो 1 घण्टे की भीतर भी हो जाता है, लेकिन पूरा असर आने में कई दिन भी लग जाते हैं।

कोई नुकसान भी हैं इन दवाओं का?

इन दवाओं के सेवन से सबसे बड़ा खतरा है– पेट और आँत (पोटा) पर असर।

कुछ लोगों में इस दवा के खाने से पेट में जलन और दर्द, अनपचन हो सकता है, जो कि खाली पेट दवा खाने से और अधिक हो जाता है। कुछ लोगों में अधिक परेषानी से पेट दर्द के संग खून की उल्टी या टट्टी में खून जा सकता है।

इसलिए इन दवाओं की नियम से खाने के बाद ही लेना चाहिए। यदि पेट में अल्सर या गैस्ट्रिक की परेषानी है तो यह दवा का कोई विकल्प लेना चाहिए। इन दवा को न लें।

क्या गर्भवती महिलाएँ इन दवा को ले सकती हैं?

सामान्यतः नहीं। यदि अति आवष्यक है तो आपके डॉक्टर इसे सीमित अवधि के लिए देंगे।